बी0ए0 संगीत (तबला) - द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम				
क्र0 सं0	**कोर्स का नाम**	**कोर्स कोड**	**अंक**	**श्रेयांक**
1	**ताल शास्त्र**	**बी0ए0एम0टी0 - 201**	**100**	**3**
प्रथम खण्ड	**भारतीय संगीत का इतिहास, शब्दावली व तबले के घराने**			
	इकाई 1 - भारतीय संगीत का इतिहास - प्राचीन काल से मध्यकाल तक।			
	इकाई 2 - लय , लयकारी , परन , गत , चक्करदार , नौहक्का की परिभाषा उदाहरण सहित।			
	इकाई 3 - देहली , अजराडा, लखनऊ, बनारस, पंजाब व फरुखाबाद घरानों का विस्तृत अध्ययन।			
द्वितीय खण्ड	**ताल के प्राण, जीवन परिचय एवं निबन्ध लेखन**			
	इकाई 1 - ताल के दस प्राण (काल , मार्ग , क्रिया , अंग, ग्रह, जाति , कला , लय , यति व प्रस्तार) का संक्षिप्त अध्ययन।			
	इकाई 2 - संगीतज्ञों (पं0 अयोध्या प्रसाद, उ0 हबीबुद्दीन खॉ, पं0 स्वपन चौधरी, पं0 कण्ठे महाराज, उ0 मसीत खॉ, उ0 जाकिर हुसैन व पं0 गामा महाराज) का जीवन परिचय।			
	इकाई 3 - संगीत सम्बन्धी विषयों पर निबन्ध।			
तृतीय खण्ड	**तालिपि पद्धति एवं तालिपि में लिखना**			
	इकाई 1 - दक्षिण भारतीय ताल पद्धति का परिचय एवं उत्तर भारतीय ताल पद्धति से तुलना।			
	इकाई 2 - पाठयक्रम की तालों का परिचय एवं बोल समूह द्वारा ताल पहचानना ; पाठयक्रम की तालों के ठेके, लयकारी (दुगुन, तिगुन एवं चौगुन) सहित लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 3 - तबले की रचनाओं(पाठ्यक्रमानुसार) को लिपिबद्ध करना।			
ताल - आडाचारताल, झपताल, एकताल, सूलताल व धमार				